

भागीरथी बाल शिक्षा सदन सी० स्कूल

कक्षा - VI

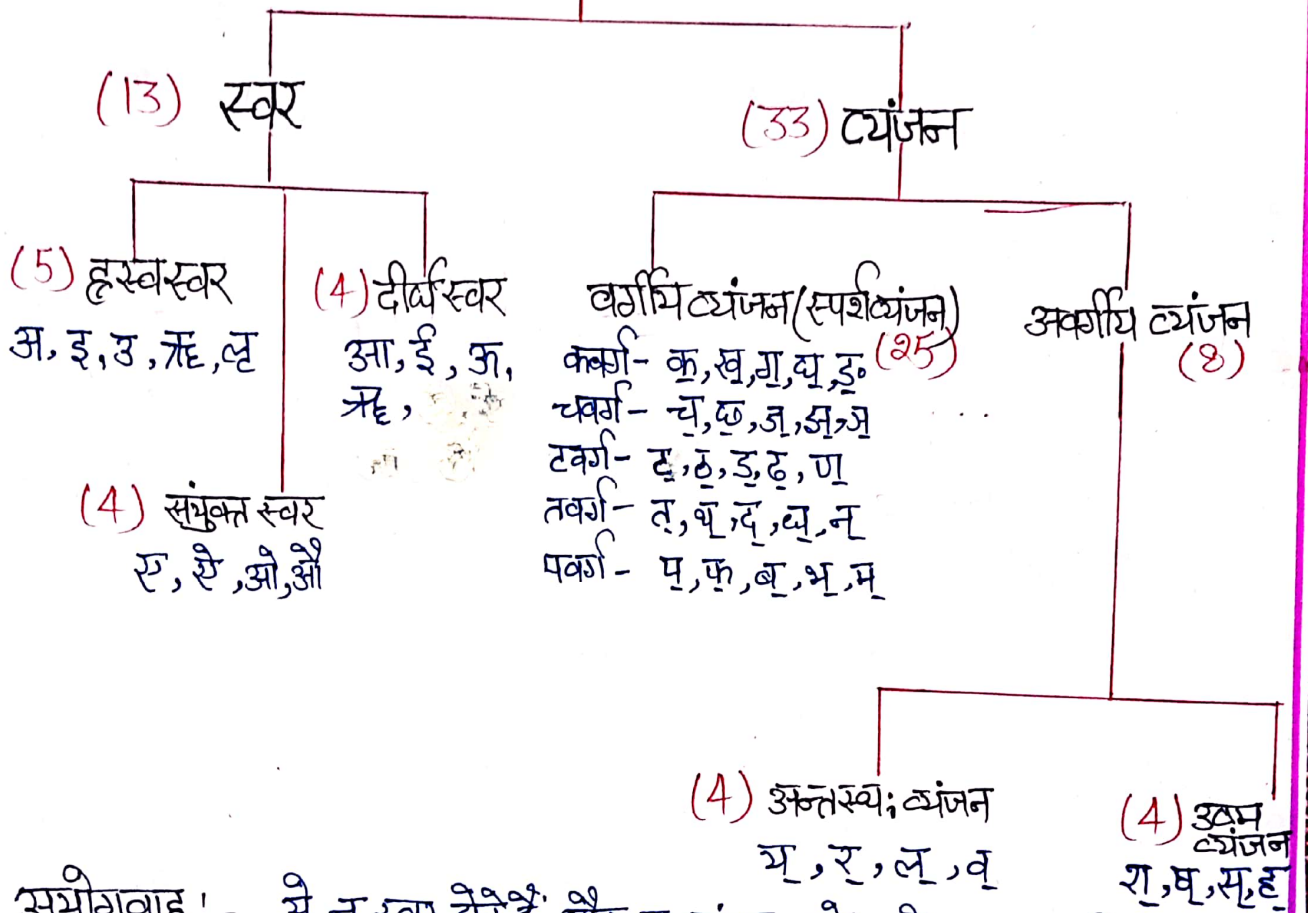
विषय - संस्कृत

सत्र - 2020-21

पाठ - 1 संस्कृत - वर्णमाला

वर्ण :- वह जोड़ी से ध्वनि जिसके दुन्हे न हो सकें। तथा वर्णों के समूह को वर्णमाला कहते हैं। वर्ण दो प्रकार के हैं - स्वर, व्यंजन।

वर्ण (48)



अभोगवाह :- ये न स्वर होते हैं और न व्यंजन इन्हे स्वरों तथा व्यंजनों के साथ जोड़कर लिखा जाता है। ये दो होते हैं।

(1) अनुस्वार (ँ) (2) विसर्ग (ः)

संयुक्त व्यंजन :- दो व्यंजनों के मेल से बने वाले व्यंजन संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं। जैसे -

त + र + अ = त्र (पत्र, मित्र आदि)

क + ष + अ = क्ष (कक्षा, परीक्षा, आदि)

वर्ण-संघोजन :- वर्णों को परस्पर जोड़कर शब्द बनाना ।

जैसे :- ल + अ + त + आ = लता

वर्ण-विच्छेद :- शब्दों के वर्णों को अलग-अलग करना ।

जैसे :-

भवत् = भृ + अ , + वृ + अ + त ।

अभ्यास कार्य

1. वर्ण-विच्छेद और वर्ण-संघोजन कीजिए ।

(क) अश्वाः = अ + श + वृ + आः ।

(ख) माता = मृ + आ + तृ + आ ।

(ग) मृ + उ + नृ + इः = मुनिः ।

(घ) सृ + आ + वृ + उः = सावुः ।

(ङ) भृ + आ + नृ + उः = भानुः ।

गृह कार्य

2. निम्नलिखित वर्णों में से स्पर्श, अन्तस्वः और व्रज व्यंजन अलग कीजिए।
वृ, तृ, दृ, नृ, मृ, शृ, मृ, सृ, रृ, चृ, लृ, षृ, हृ ।

3. स्वर तथा व्यंजनों को अलग-अलग लिखिए ।

कृ, चृ, झ, गृ, आ, दृ, ई, ऊ, नृ, मृ, ए, औ ।

4. शुद्ध उतर लिखिए ।

(क) आ, ए, इ, औ - एषु द्वस्वः स्वरः कः ? उतर :- इ

(ख) अ, ऊ, ऋ, इ - एषु दीर्घः स्वरः कः ?

(ग) अ, आ, इ, कृ - एषु स्पर्श-व्यंजनं किम् ?

(घ) तृ, षृ, पृ, षृ - एषु व्रज व्यंजनम् किम् ?

5. अपने नाम का वर्ण विच्छेद करके कापी में लिखिए ।

नोट :- यह सभी कार्य अपनी संस्कृत की पुरानी कापी में कीजिए।
जब स्कूल खुलेगा तब आपका कार्य जाँचा जाएगा और
आपको इसके नम्बर भी दिए जाएंगे ।